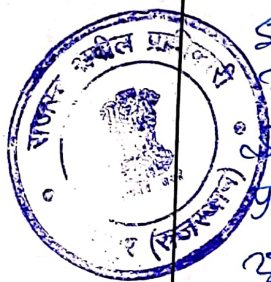


राजस्व अपील प्राधिकारी, जयपुर

तारीख हुकम	28 2008	गंगु डे गंगुराम हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नानगी	नम्बर अहकाम जो हुकम की ता में जारी हु
------------	------------	--	-------	--

17/3/20

पगारली प्रस्तुत हुई। आधे-उत्तरपक्ष उपाधिकार/आधे-रेसो में आदेशिका दिनांक 24/2/20 एवम् 11/3/20 की आर एमारा एमान आकाधित करा कर निवेदन किया कि इस 225 RTI Act की अपील से सम्बन्धित मूल वाद को अधीनस्थ न्यायालय द्वारा मान्य रूप से निर्णय कर दिया गया है, जिससे यह अपील अब सारहीन हो गई है। अतः अपील स्वारित फरमाई जावे। जिस पर आधे-अपीलान्ट ने इस सन्दर्भ में कोई जानकारी नहीं होने एवम् पत्रकार से सम्पर्क नहीं हो पाने का कथन किया। इस हेतु अपीलान्ट पूर्व में भी कई अवसर ले चुके हैं एवम् आधे-रेसो द्वारा इस्ताबिलो की सूची के साथ प्रस्तुत मूल वाद की प्रमाणित प्रतियों के अतलामन से यह स्पष्ट होता है कि इस 225 RTI Act से सम्बन्धित मूल वाद का निस्तारण अधीनस्थ न्यायालय द्वारा किया जा चुका है, जिससे यह अपील अब सारहीन हो गई है। अतः अपील अपीलान्ट सारहीन हो जाने से स्वारित की जाती है। तदनुसार पगारली फंसल सुमार होकर वाद तन्मील साधित रहता है। आदेश मुझे न्यायालय में सुनाया गया।



राजस्व अपील प्राधिकारी
जयपुर